पूंजीगत प्राप्तियां

(₹करोड़)

कर राजस्व	मुख्य शीर्ष	वास्तविक 2017-2018	बजट 2018-2019	संशोधित 2018-2019	बजट 2019-2020
ऋण भिन्न प्राप्तियां					
1. ऋण और अग्रिमों की वसूलियां					
1.01. राज्य सरकारें					
1.01.01. सकल प्राप्तियां	7601	13057.30	9166.74	8902.93	9294.81
1.01.02. वसूलियां	7601	...	-100.00	-100.00	-100.00
निवल-राज्य सरकारें		*13057.30*	*9066.74*	*8802.93*	*9194.81*
1.02. संघ राज्य क्षेत्र (विधान मंडल सहित)	7602	66.81	432.69	442.69	442.69
1.03. विदेशी सरकारें	7605	353.73	325.29	348.34	145.17
1.04. अन्य ऋण तथा अग्रिम (सार्वजनिक क्षेत्रीय उध्यम, सांविधिक निकाय आदि)					
1.04.01. सकल प्राप्तियां	9001	57161.32	53649.36	55061.20	54000.06
1.04.02. वसूलियां	9001	-55005.88	-51275.00	-51500.00	-51275.01
निवल-अन्य ऋण तथा अग्रिम (सार्वजनिक क्षेत्रीय उध्यम, सांविधिक निकाय आदि)		*2155.44*	*2374.36*	*3561.20*	*2725.05*
निवल-ऋण और अग्रिमों की वसूलियां		*15633.28*	*12199.08*	*13155.16*	*12507.72*
2. विविध पूंजी प्राप्तियां	4000	...	...	...	...
2.01. विनिवेश प्राप्तियां	4000	100045.05	80000.00	80000.00	90000.00
2.02. कार्यनीतिक विनिवेश	4000	...	...	...	...
2.03. अन्य (बीमा कंपनियों का सूचीयन)	4000	...	...	...	...
2.04. बोनस शेयर निर्गम	4000	3.40	...	252.18	...
2.05. बोनस शेयर घटाकर प्राप्तियां	4000	-3.40	...	-252.18	...
निवल-विविध पूंजी प्राप्तियां		*100045.05*	*80000.00*	*80000.00*	*90000.00*
जोड़-ऋण- भिन्न प्राप्तियां		**115678.33**	**92199.08**	**93155.16**	**102507.72**
ऋण प्राप्तियां					
3. उधार					
3.01. बाजार ऋण					
3.01.01. सकल उधार	6001	588000.00	605539.36	571000.00	710000.00
3.01.02. वापसी अदायगी	6001	-137271.69	-143477.87	-148263.08	-236877.99
निवल-बाजार ऋण		*450728.31*	*462061.49*	*422736.92*	*473122.01*
3.02. सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को विशेष प्रतिभूतियों का निर्गम					
3.02.01. प्रतिभूतियों का निर्गम	6001	80000.00	65000.00	106000.00	0.01
3.02.02. वापसी अदायगी	6001	...	...	...	...
3.02.03. घटाइए प्राप्तियां	6001	-80000.00	-65000.00	-106000.00	-0.01
निवल-सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को विशेष प्रतिभूतियों का निर्गम		...	...	...	...
3.03. एग्जिम बैंक को विशेष प्रतिभूतियों का निर्गम					
3.03.01. प्रतिभूतियां जारी करना	6001	...	...	4500.00	550.00
3.03.02. वापसी अदायगी	6001	...	...	...	...
3.03.03. घटाइए निवल प्राप्तियां	6001	...	...	-4500.00	-550.00
निवल-एग्जिम बैंक को विशेष प्रतिभूतियों का निर्गम		...	...	...	...
3.04. प्रतिभूतियों का अंतरण					
3.04.01. सकल उधार	6001	59158.98	28059.00	28059.00	50000.00
3.04.02. वापसी अदायगी	6001	-58075.00	-28059.00	-28059.00	-50000.00
निवल-प्रतिभूतियों का अंतरण		*1083.98*	...	...	...
3.05. वापसी खरीद					
3.05.01. सकल उधार	6001	...	...	...	...
3.05.02. वापसी अदायगी	6001	-41555.07	-71941.00	...	-50000.00
निवल-वापसी खरीद		*-41555.07*	*-71941.00*	...	*-50000.00*
3.06. अल्पकालिक उधार					
3.06.01. 14 दिवसीय राजकोषीय हुंडियां					

(₹करोड़)

कर राजस्व	मुख्य शीर्ष	वास्तविक 2017-2018	बजट 2018-2019	संशोधित 2018-2019	बजट 2019-2020
3.06.01.01. सकल उधार	6001	3790637.92	4027581.00	3771818.30	3960409.22
3.06.01.02. वापसी अदायगी	6001	-3796169.17	-4027581.00	-3771818.30	-3960409.22
निवल		*-5531.25*	...	...	...
3.06.02. 91 दिवसीय राजकोषीय हुंडियां					
3.06.02.01. सकल उधार	6001	774059.95	857721.45	663316.47	545344.72
3.06.02.02. वापसी अदायगी	6001	-742174.08	-857721.45	-706707.70	-524343.22
निवल		*31885.87*	...	*-43391.23*	*21001.50*
3.06.03. 182 दिवसीय राजकोषीय हुंडियां					
3.06.03.01. सकल उधार	6001	185416.61	169705.32	258769.34	312168.86
3.06.03.02. वापसी अदायगी	6001	-183981.05	-161705.32	-225089.11	-310119.02
निवल		*1435.56*	*8000.00*	*33680.23*	*2049.84*
3.06.04. 364 दिवसीय राजकोषीय हुंडियां					
3.06.04.01. सकल उधार	6001	159685.00	158993.00	194396.00	192344.66
3.06.04.02. वापसी अदायगी	6001	-142525.75	-149993.00	-159685.00	-190396.00
निवल		*17159.25*	*9000.00*	*34711.00*	*1948.66*
3.06.05. नकद प्रबंधन बिल					
3.06.05.01. सकल उधार	6001	150000.00	100000.00	200000.00	100000.00
3.06.05.02. वापसी अदायगी	6001	-150000.00	-100000.00	-200000.00	-100000.00
निवल		...	...	...	...
3.06.06. अर्थोपाय अग्रिम					
3.06.06.01. सकल उधार	6001	480042.00	500000.00	900000.00	500000.00
3.06.06.02. वापसी अदायगी	6001	-480042.00	-500000.00	-900000.00	-500000.00
निवल		...	...	...	...
निवल-अल्पकालिक उधार		*44949.43*	*17000.00*	*25000.00*	*25000.00*
निवल-उधार		*455206.65*	*407120.49*	*447736.92*	*448122.01*
4. लघु बचतों से संबंधित प्रतिभूतियां					
4.01. प्राप्तियां	6001	108661.00	88533.00	138533.00	152268.32
4.02. वापसी अदायगी	6001	-6033.05	-13533.00	-13533.00	-22268.32
निवल-लघु बचतों से संबंधित प्रतिभूतियां		*102627.95*	*75000.00*	*125000.00*	*130000.00*
5. राज्य भविष्य निधियां					
5.01. प्राप्तियां	8009	61483.20	65000.00	72000.00	77000.00
5.02. संवितरण	8009	-45684.53	-48000.00	-55000.00	-59000.00
निवल-राज्य भविष्य निधियां		*15798.67*	*17000.00*	*17000.00*	*18000.00*
6. अन्य प्राप्तियां (आंतरिक ऋण और लोक लेखा)					
6.01. राहत बांड					
6.01.01. प्राप्तियां	6001	...	...	...	...
6.01.02. संवितरण	6001	-2.50	-54.88	-68.01	-14.37
निवल-राहत बांड		*-2.50*	*-54.88*	*-68.01*	*-14.37*
6.02. बचत बांड					
6.02.01. प्राप्तियां	6001	24830.87	20177.17	21220.11	27273.95
6.02.02. संवितरण	6001	-622.35	-811.09	-1854.03	-1823.18
निवल-बचत बांड		*24208.52*	*19366.08*	*19366.08*	*25450.77*
6.03. अन्य (स्वर्ण बाण्ड, स्वर्ण मौद्रीकरण आदि)					
6.03.01. प्राप्तियां	6001	1894.82	5000.00	5000.00	5000.00
6.03.02. संवितरण	6001	...	...	...	...
निवल-अन्य (स्वर्ण बाण्ड, स्वर्ण मौद्रीकरण आदि)		*1894.82*	*5000.00*	*5000.00*	*5000.00*
6.04. अन्य प्राप्तियां (सरकारी भविष्य निधियों को छोड़कर लोक खाता)					
6.04.01. प्राप्तियां	9002	1366775.36	1377490.60	1421807.28	1564804.08
6.04.02. संवितरण	9002	-1382555.73	-1316482.49	-1432602.39	-1534136.10
6.04.03. घटाइए प्राप्तियां	9002	...	...	...	...
निवल-अन्य प्राप्तियां (सरकारी भविष्य निधियों को छोड़कर लोक खाता)		*-15780.37*	*61008.11*	*-10795.11*	*30667.98*

(₹करोड़)

कर राजस्व	मुख्य शीर्ष	वास्तविक 2017-2018	बजट 2018-2019	संशोधित 2018-2019	बजट 2019-2020
6.05. अंतर्राष्ट्रीय वित्त संस्थाएं					
6.05.01. अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष					
6.05.01.01. प्राप्तियां	6001	2554.50	0.01	9278.35	100.01
6.05.01.02. वापसी अदायगी	6001	-7140.04	-100.00	-4587.80	-1000.00
6.05.01.03. घटाइए निवल प्राप्तियां	6001	-543.18	-511.62	-9792.90	-583.78
निवल		*-5128.72*	*-611.61*	*-5102.35*	*-1483.77*
6.05.02. अंतरराष्ट्रीय विकास संघ					
6.05.02.01. प्राप्तियां	6001	408.33	408.34	408.34	408.34
6.05.02.02. वापसी अदायगी	6001	-156.87	-357.36	-389.88	-370.29
निवल		*251.46*	*50.98*	*18.46*	*38.05*
6.05.03. एशियाई विकास बैंक और निधि					
6.05.03.01. प्राप्तियां	6001	64.50	66.03	68.97	72.01
6.05.03.02. वापसी अदायगी	6001	-136.92	-152.82	-145.24	-172.92
निवल		*-72.42*	*-86.79*	*-76.27*	*-100.91*
6.05.04. अफ्रीकी विकास बैंक और निधि					
6.05.04.01. प्राप्तियां	6001	70.35	37.24	37.24	3.42
6.05.04.02. वापसी अदायगी	6001	-33.83	-30.58	-27.34	-29.56
निवल		*36.52*	*6.66*	*9.90*	*-26.14*
निवल-अंतर्राष्ट्रीय वित्त संस्थाएं		*-4913.16*	*-640.76*	*-5150.26*	*-1572.77*
निवल-अन्य प्राप्तियां (आंतरिक ऋण और लोक लेखा)		*5407.31*	*84678.55*	*8352.70*	*59531.61*
7. विदेशी ऋण					
7.01. बहुपक्षीय					
7.01.01. अंतरराष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक					
7.01.01.01. प्राप्तियां	6002	6851.92	6601.85	7257.00	7831.00
7.01.01.02. वापसी अदायगी	6002	-5444.53	-5887.77	-6474.77	-7351.49
निवल		*1407.39*	*714.08*	*782.23*	*479.51*
7.01.02. अंतरराष्ट्रीय विकास संघ					
7.01.02.01. प्राप्तियां	6002	8687.32	7406.69	6932.00	6756.00
7.01.02.02. वापसी अदायगी	6002	-11110.36	-12083.79	-13077.69	-14479.46
निवल		*-2423.04*	*-4677.10*	*-6145.69*	*-7723.46*
7.01.03. अंतरराष्ट्रीय कृषि विकास निधि					
7.01.03.01. प्राप्तियां	6002	276.66	471.90	332.00	373.00
7.01.03.02. वापसी अदायगी	6002	-91.48	-95.83	-104.10	-134.60
निवल		*185.18*	*376.07*	*227.90*	*238.40*
7.01.04. एशियाई विकास बैंक					
7.01.04.01. प्राप्तियां	6002	10320.12	9199.81	10055.00	10093.00
7.01.04.02. वापसी अदायगी	6002	-3412.75	-4316.67	-4119.27	-4853.25
निवल		*6907.37*	*4883.14*	*5935.73*	*5239.75*
7.01.05. पूर्वी यूरोपीय समुदाय (एसएसी)					
7.01.05.01. प्राप्तियां	6002	...	...	...	...
7.01.05.02. वापसी अदायगी	6002	-8.21	-8.63	-9.21	-9.49
निवल		*-8.21*	*-8.63*	*-9.21*	*-9.49*
7.01.06. पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन					
7.01.06.01. प्राप्तियां	6002	-0.01	...	...	...
7.01.06.02. वापसी अदायगी	6002	-11.67	-12.04	-15.86	-15.98
निवल		*-11.68*	*-12.04*	*-15.86*	*-15.98*
7.01.07. न्यू डेवलपमेंट बैंक					
7.01.07.01. प्राप्तियां	6002	137.21	200.00	1083.00	1089.00
7.01.07.02. वापसी अदायगी	6002	...	...	...	...
निवल		*137.21*	*200.00*	*1083.00*	*1089.00*

(₹करोड़)

कर राजस्व	मुख्य शीर्ष	वास्तविक 2017-2018	बजट 2018-2019	संशोधित 2018-2019	बजट 2019-2020
7.01.08. एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक (एआईआईबी)					
7.01.08.01. प्राप्तियां	6002	374.13	50.00	1108.00	653.00
7.01.08.02. वापसी अदायगी	6002	...	...	...	...
जोड़-एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक (एआईआईबी)		*374.13*	*50.00*	*1108.00*	*653.00*
निवल-बहुपक्षीय		*6568.35*	*1525.52*	*2966.10*	*-49.27*
7.02. द्विपक्षीय					
7.02.01. जर्मनी					
7.02.01.01. प्राप्तियां	6002	1858.46	2317.01	1289.00	1022.00
7.02.01.02. वापसी अदायगी	6002	-928.64	-1154.79	-1202.80	-1419.06
निवल		*929.82*	*1162.22*	*86.20*	*-397.06*
7.02.02. फ्रांस					
7.02.02.01. प्राप्तियां	6002	1045.15	751.75	731.00	1519.00
7.02.02.02. वापसी अदायगी	6002	-173.75	-213.71	-232.46	-308.69
निवल		*871.40*	*538.04*	*498.54*	*1210.31*
7.02.04. जापान					
7.02.04.01. प्राप्तियां	6002	15818.91	10776.38	7954.00	10156.00
7.02.04.02. वापसी अदायगी	6002	-4612.58	-4766.47	-5153.59	-5800.89
निवल		*11206.33*	*6009.91*	*2800.41*	*4355.11*
7.02.05. स्विटजरलैंड					
7.02.05.01. प्राप्तियां	6002	...	...	...	...
7.02.05.02. वापसी अदायगी	6002	-0.33	-0.16	-0.16	...
निवल		*-0.33*	*-0.16*	*-0.16*	*...*
7.02.06. संयुक्त राज्य अमेरिका					
7.02.06.01. प्राप्तियां	6002	83.91	...	...	...
7.02.06.02. वापसी अदायगी	6002	-162.86	-167.21	-178.96	-176.40
निवल		*-78.95*	*-167.21*	*-178.96*	*-176.40*
7.02.07. रूसी परिसंघ					
7.02.07.01. प्राप्तियां	6002	2301.55	2807.00	2624.00	3915.00
7.02.07.02. वापसी अदायगी	6002	-728.11	-747.93	-771.13	-813.69
निवल		*1573.44*	*2059.07*	*1852.87*	*3101.31*
7.02.08. यूरोपीय निवेश बैंक (ईआईबी)					
7.02.08.01. प्राप्तियां	6002	761.41	300.00	844.00	1266.00
7.02.08.02. वापसी अदायगी	6002	...	...	...	...
निवल		*761.41*	*300.00*	*844.00*	*1266.00*
निवल-द्विपक्षीय		*15263.12*	*9901.87*	*5902.90*	*9359.27*
7.03. राज्यों की परियोजनाओं के लिए व्यय विदेशी सहायता के संदर्भ में घटाया गया	6002	-13900.73	-14016.00	-13762.12	-12262.05
निवल-विदेशी ऋण		*7930.74*	*-2588.61*	*-4893.12*	*-2952.05*
8. नकद शेष का आहरण द्वारा कमी					
8.01. प्राप्तियां	9003	5498.61	44877.61	1406.22	-39794.70
8.02. संवितरण	9003	-1406.22	-1811.61	39794.70	91092.37
निवल-नकद शेष का आहरण द्वारा कमी		*4092.39*	*43066.00*	*41200.92*	*51297.67*
9. बाजार स्थिरीकरण योजना					
9.01. प्राप्तियां	6001	100000.00	...	...	...
9.02. वापसी अदायगी	6001	-100000.00	...	...	...
निवल-बाजार स्थिरीकरण योजना		*...*	*...*	*...*	*...*
जोड़-ऋण प्राप्तियां		**591063.71**	**624276.43**	**634397.42**	**703999.24**
कुल जोड़		***706742.04***	***716475.51***	***727552.58***	***806506.96***

1. उपर्युक्त विवरण में पूंजी प्राप्तियों के अनुमानों का मोटे तौर पर श्रेणीवार-ऋण-भिन्न और ऋण प्राप्तियों दोनों का संक्षिप्त ब्यौरा दिया गया है। इसके अतिरिक्त 2018-19 के बजट अनुमानों और संशोधित अनुमानों के बीच होने वाली घट-बढ़ का स्पष्टीकरण देने वाली संक्षिप्त टिप्पणियों के साथ ब्यौरा और सं.अ. 2018-19 और बजट अनुमान 2019-20 के बीच अंतर नीचे दी गई टिप्पणियों में दिया गया है।

1.01 राज्य सरकारें: राज्य सरकारों से प्राप्तियों का अनुमान सं.अ. 2018-19 में ₹8802.93 करोड़ तथा ब.अ. 2019-20 में ₹9194.81 करोड़ लगाया गया है। सं.अ. 2017-18 में प्राप्तियों में राज्य सरकारों की ऋण माफी शामिल है जिसे समतुल्य व्यय से प्रतिसंतुलित किया जाता है।

1.02 संघ राज्य क्षेत्र (विधानमंडल वाले) : ये वसूलियां संघ राज्य क्षेत्र, पुडुचेरी और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली को दिए गए ऋणों के संबंध में हैं।

1.03 और 1.04 अन्य द्वारा वापसी अदायगी: इनमें राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्र की सरकारों को छोड़कर अन्य पक्षों, अर्थात् विदेशी सरकारों, सरकारी क्षेत्र के औद्योगिक और वाणिज्यिक उद्यमों तथा वित्तीय संस्थाओं, नगरपालिकाओं, पत्तन न्यासों, निजी क्षेत्र की कम्पनियों और संस्थाओं, सहकारी समितियों आदि द्वारा ऋणों की अदायगियां आदि शामिल हैं।

2. विविध पूंजी प्राप्तियां : इनमें केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में सरकारी इक्विटी के कुछ भाग के विनिवेश के कारण प्राप्तियां, सामारिक विनिवेश से प्राप्तियां और इसी प्रकार के अन्य लेन-देन शामिल हैं। सरकार ने "राष्ट्रीय निवेश कोष" (एनआईएफ) नाम से एक कोष स्थापित किया है जिसमें चुनिंदा सीपीएसईएस में सरकारी इक्विटी के विनिवेश से मिलने वाले आगमों को चैनलाइज किया जाता है। इस प्रकार एनआईएफ में जमा इन निधियों को आहरित किया जाएगा और वर्ष 2019-20 में पूर्जी व्यय के संबंध में इनका उपयोग अवसंरचनात्मक परियोजनाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य क्षेत्रों और भारतीय रेलवे में निवेश में वित्तीय व्यय हेतु किया जाएगा।

3.1 बाजार ऋण : भारत सरकार वर्ष 1992-93 से दिनांकित सरकारी प्रतिभूतियों की नीलामी द्वारा बिक्री की योजना के अंतर्गत अपने बाजार ऋण जुटाती है। इन नीलामियों का संचालन भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा केन्द्र सरकार के ऋण प्रबंधक के रूप में किया जाता है। नियत कूपन प्रतिभूतियों के अलावा, सरकार ने फ्लोटिंग रेट बांड (एफआरबी) भी जारी किए हैं जिनपर अर्ध-वार्षिक आधार पर देय कूपन दर को नीलामी में निर्धारित विस्तार 'स्प्रेड' को जोड़कर अर्धवार्षिक आधार पर पुनःनिर्धारित किया जाता है। वर्ष 2002-03 से, केंद्र सरकार अपनी महत्वपूर्ण उधार संबंधी आवश्यकताओं के आधार पर अर्ध-वार्षिक निर्देशात्मक बाजार उधार कैलेन्डर की घोषणा करती रही है। वर्ष 2019-20 में अदायगियों का ब्यौरा भाग ख के विवरण 6 'विशेष प्रतिभूतियों/पुनःपूंजीकरण बॉण्ड का रूपांतरण' में दिया गया है। भारत सरकार ने वर्ष 2003-04 के दौरान विपणनीय प्रतिभूतियों में तदर्थ राजकोषीय हुंडियों के एवज में जारी की गई विशेष प्रतिभूतियों का रूपांतरण पूरा कर लिया है। रुपांतरित कर जारी की गई विपणनीय प्रतिभूतियों के ब्यौरे भाग ख के विवरण 2 में दिए गए हैं। भारत सरकार ने वर्ष 2007-08 के दौरान राष्ट्रीयकृत बैंकों के साथ पुनःपूंजीकरण बॉण्डों को एसएलआर विपणनयोग्य प्रतिभूतियों में परिवर्तित करने का कार्य भी पूरा कर लिया है (भाग-ख के 2क में ब्यौरा देखें)।

3.5 वापसी खरीद : यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके द्वारा भारत सरकार धारकों से अपनी मौजूदा प्रतिभूतियां उन्हें परिपक्वता पूर्व उन्मोचन कर पुनः खरीदती है जिससे लागत में कमी आती है, बकाया स्टॉक में कमी आती है और सरकारी प्रतिभूति बाजार में नकदी की स्थिति में सुधार होता है।

3.6 अल्पावधिक उधार : ये राजकोषीय हुंडियां वित्तीय संस्थाओं, बैंकों आदि को अल्पावधिक निवेश अवसर प्रदान करती हैं। मुख्यतः इन्हें सरकार के सामान्य नीलामी कार्यक्रम के अन्तर्गत जारी किया जाता है और ये अप्रतिस्पर्द्धी बोलियों के लिए विकल्प भी प्रदान करती हैं। 91 दिवसीय राजकोषीय हुंडियों की साप्ताहिक नीलामी और 182 दिवसीय और 364 दिवसीय राजकोषीय हुंडियों की पाक्षिक नीलामी निर्देशात्मक त्रैमासिक कलैन्डर में निर्दिष्ट की जाती है। केंद्र सरकार, राज्य सरकारों द्वारा अल्पावधिक के नकद अधिशेषों के नियोजन के लिए 14 दिवसीय मध्यवर्ती राजकोषीय हुडियां भी जारी करती है।

4 लघु बचतों के एवज में जारी प्रतिभूतियां : इस समय जारी लघु बचत योजनाएं हैं: डाकघर बचत खाता, राष्ट्रीय बचत सावधिक जमा (1, 2, 3 तथा 5 वर्ष), राष्ट्रीय बचत आवर्ती जमा, राष्ट्रीय बचत मासिक आय स्कीम खाता, वरिष्ठ नागरिक बचत योजना, राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (VIII निर्गम) तथा लोक भविष्य निधि, किसान विकास पत्र और सुकन्या समृद्धि खाता। लघु बचत योजनाओं पर ब्याज

दर समान परिपक्वता की सरकारी प्रतिभूति दरों के, कतिपय लघु बचत स्कीमों के स्प्रैड के साथ, समनुरूप कर दी गई है। राष्ट्रीय बचत सावधि जमा (5 वर्ष), राष्ट्रीय बचत मासिक आय स्कीम खाता, 5 वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (VIII निर्गम), लोक भविष्य निधि 25 बीपीएस, सुकन्या समृद्धि खाता 75 बीपीएस तथा वरिष्ठ नागरिक बचत योजना पर 100 बीपीएस समतुल्य परिपक्वता की सामान्य प्रतिभूति दर पर होगा। ब्याज दरें त्रैमासिक आधार पर अधिसूचित की जाती हैं।

छोटी बचतों के एवज में जारी प्रतिभूतियां : वित्त वर्ष के दौरान आहरणों को घटाकर, विभिन्न लघु बचत योजनाओं के अधीन संग्रहण राष्ट्रीय लघु बचत निधि (एनएसएसएफ) के लिए निधियों का स्रोत बनते हैं। यह निवल संग्रहण केंद्रीय और राज्य सरकारों की विशेष प्रतिभूतियों में निवेशित किया जाता है जो एनएसएसएफ के अंतर्गत निधियों का अनुप्रयोग बनता है। वर्ष 2018-19 के लिए केंद्रीय और राज्य सरकार प्रतिभूतियों की अवधि 10 वर्ष है और 8.2 प्रतिशत ब्याज दर पर कोई भुगतान स्थगन काल नहीं है। इन प्रतिभूतियों की उन्मोचन राशि को ब्याज की विद्यमान दरों पर 50:50 के अनुपात में केन्द्र और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियों में पुनर्निवेशित किया जाता है।

चौदहवें वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुसार, अरुणाचल प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश और केरल को छोड़कर सभी राज्यों ने एनएसएसएफ संचालित न करने के विकल्प दिए हैं। अरुणाचल प्रदेश अपने संबंधित प्रांतों के भीतर जुटाए गए शुद्ध संग्रह का 100% और शेष तीन राज्य 50% ऋण प्राप्त कर रहे हैं।

एनएसएसएफ के अंतर्गत संग्रहित निवल राशि का निवेश विभिन्न सार्वजनिक अभिकरणों जैसे कि भारतीय खाद्य निगम, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, एयर इण्डिया आदि में भी किया जा रहा है। लघु बचत योजनाओं के अभिदाताओं को ब्याज के भुगतान और प्रबंधन लागत में केन्द्रीय सरकार की प्रतिभूतियों, राज्य सरकार की प्रतिभूतियों पर निधि के ब्याज तथा निधि की आय से सरकारी एजेंसियों को ऋण अग्रिम शामिल है। निधि से होने वाले व्यय के अंतर्गत अभिदाताओं को ब्याज अदायगी और प्रबन्धन लागत शामिल हैं और केन्द्रीय तथा राज्य सरकारी प्रतिभूतियों से अर्जित ब्याज इस निधि को होने वाली आय है। एनएसएसएफ के साधन स्रोत तथा अनुप्रयोग अनुबंध 8 दिए गए हैं और एनएसएसएफ के विविध घटकों का ब्यौरा भाग-ख के विवरण 3 में दिया गया है।

6.02 बचत बांड : 7.75 प्रतिशत बचत (कर योग्य) बांड, 2018 की शुरुआत 7 वर्षों की निरूद्ध अवदि सहित, जनवरी, 1918 में की गई थी ताकि निवासी नागरिक/धर्मार्थ संस्थाएं/विश्वविद्यालय आदि, बिना किन्हीं उच्चतम मौद्रिक सीमाओं के, अपनी बचत का निवेश इन कर योग्य बांडों में कर सकें। ये बांड 7.75% प्रतिवर्ष का प्रतिफल प्रदान करते हैं। इनमें संचयी और संचयी-भिन्न विकल्प होते हैं और अर्धवार्षिक आधार पर ब्याज देय होता है। ये बांड अंतरणीय भी नहीं हैं। इनका द्वितीयक बाजार में कारोबार भी नहीं हो सकता है। 60 वर्ष और इससे ऊपर के आयु समूह के व्यष्टि निवेशक को निर्गम की तारीख से न्यूनतम लाक-इन अवधि के पश्चात परिपक्वता पूर्व नकदीकरण की अनुमति दी गई है।

6.03 अन्य (स्वर्ण बांड, स्वर्ण मौद्रीकरण आदि) : इस श्रेणी में सार्वभौम स्वर्ण बांड स्कीम और स्वर्ण मौद्रीकरण स्कीम जैसे साधन शामिल हैं, जिन्हें लोगों को वास्तविक सोने में निवेश करने से बचाने और सोने का आयात कम करने के उद्देश्य से शुरु किया गया है।

6.05 अन्तरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाएं: अनुमान (क) अन्तरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं को भारत के अभिदानों/अंशदानों के लिए जारी की गई विशेष प्रतिभूतियों और (ख) विशेष आहरण अधिकारों (एसडीआर) के उपयोग से संबंधित कतिपय संव्यवहारों से संबंधित हैं। प्रत्येक अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्था का ब्यौरा निम्नवत हैः

6.05.01 अन्तरराष्ट्रीय मुद्रा कोषः आईएमएफ में भारत का कोटा 2.75 प्रतिशत शेयरधारिता के साथ 13114.4 मिलियन एसडीआर है। आईएमएफ में कोटा धारिता के अर्थ में भारत का आठवां स्थान है। 2016 के आरंभ में 146वीं सामान्य कोटा समीक्षा के अनुसार कोटा वृद्धि के लिए भारत ने 7292.9 मिलियन एसडीआर प्रदान किया। इस वर्धित धारिता का रखरखाव भारतीय रुपए में किसी मूल्यवृद्धि-मूल्यह्रास के लिए मूल्य में किया जाता है। सभी सदस्यों के कोटा संसाधनों में वृद्धि के अलावा, आईएमएफ गैर रियायती सदस्य को ऋण देने के प्रयोजन से संसाधन लाइन की दूसरी और तीसरी लाइन के रूप में उधार लेने के लिए नई व्यवस्थाएं और द्विपक्षीय उधार करारों को करता है। एनएबी के प्रति भारतीय बचनबद्धता 4,440.9 मिलियन एसडीआर है, जिसमें से आज तक 34एनएबी का सक्रीयान्वयन हुआ और भारत के पास शेष राशि 448.21 मिलियन एसडीआर है। बीबीए के संबंध में, भारत ने बीबीए 2016 को 10 बिलियन अमरीकी डालर देने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

6.05.03 एशियाई विकास बैंक और निधिः एशियाई विकास बैंक रुपया प्रतिभूतियां भारतीय रिजर्व बैंक में रखता है जिन्हें यह भारत में अपने रुपया संबंधी व्यय को पूरा करने के लिए समय-समय पर भुना सकता है।

7. विदेशी ऋणः बजट 2019-20 में ₹44,673 करोड़ की सकल प्राप्ति और ₹35,363 करोड़ की चुकौती को माना गया है, जिसके परिणामस्वरूप ₹9,310 करोड़ का निवल विदेशी ऋण होगा।

7.01 बहुपक्षीय : ब.अ. 2019-20 में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक, अंतर्राष्ट्रीय विकास संघ, अंतर्राष्ट्रीय कृषि विकास निधि, एशियाई विकास बैंक, पूर्वी यूरोपीय समुदाय (एसएसी) तथा पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन से होने वाली निवल प्राप्तियां ₹6481.18 करोड़ रहने का अनुमान है।

7.01.03 अन्तर्राष्ट्रीय कृषि विकास निधिः (क) अंतर्राष्ट्रीय कृषि विकास निधि (आर्एफएडी) की स्थापना संयुक्त राष्ट्र की 13वीं विशिष्ट एजेंसी के रूप में 1977 में की गई थी। यह विकासशील देशों के ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी और भुखमरी के उन्मूलन हेतु समर्पित है। 176 देश आईएफएडी के सदस्य हैं और इन्हें तीन वर्गों के देशों में वर्गीकृत किया गया है, जिनमें सूची क. विकसित देश, सूची ख. तेल उत्पादक देश और सूची ग. विकासशील देश। भारत सूची ग. में है।

(ख) भारत अंतरराष्ट्रीय कृषि विकास निधि का एक संस्थापक सदस्य है और इसने आईएफएडी संसाधनों के लिए अब तक 171 मिलियन अमरीकी डालर का अंशदान किया है।

(ग) भारत ने आईएफएडी के 11वें पुनःपूर्ति चक्र के लिए 40 मिलियन अमरीकी डालर की राशि देने का वचन दिया है। इसके अलावा, भारत ने रियायती भागीदार ऋण (सीपीएल) (5 वर्षों की छूट अवधि के साथ 25 वर्षों की अवधि तक 1 प्रतिशत ब्याज दर पर) के रूप में 20 मिलियन अमरीकी डालर की धनराशि का वचन दिया है। आईएफएडी ने इसकी शुरूआत प्रथम बार की है।

(घ) भारत आईएफएडी के कार्यकारी बोर्ड का सदस्य है। भारत आईएफएडी के कार्यकारी बोर्ड के सहायक निकायों अर्थात एवेल्युएशन कमिटी ऑन ट्रांजिशनल फ्रेमवर्क का सदस्य भी है।

(ड.) वर्ष 1979 से, आईएफएडी ने कृषि ग्रामीण विकास, जनजाति विकास, महिला सशक्तीकरण, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और ग्रामीण वित्त के क्षेत्र में 30 परियोजनाओं को 1100 मिलियन अमरीकी डालर (लगभग) की वचनबद्धता के साथ सहायता प्रदान की है।

(च) मौजूदा निष्पादन आधार आबंटन प्रणाली (पीबीएएस) चक्र, अर्थात 2019-21 के लिए, भारत के विभिन्न मंत्रालयों/राज्य सरकारों की ओर से मांग की गई है। हाल ही में, भारत ने अवधि 2018-24 के लिए भारत हेतु राष्ट्र रणनीतिक अवसर कार्यक्रम (सीओएसओपी) को भी अनुमोदित कर दिया है। वर्तमान सीओएसओपी में दो पीबीएएस चक्रः 2019-21 और 2022-24 शामिल होंगे।

(छ) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने भारत में लघु धारक खेती करने वाले परिवारों को सशक्त बनाने हेतु नवीकरणीय ऊर्जा आधारित कृषि प्रौद्योगिकियों को उन्नत बनाने नामक परियोजना प्रस्ताव के लिए आईएफएडी 19 नवम्बर, 2018 को ₹420 करोड़ (लगभग 60 मिलियन अमरीकी डालर) की सहायता के लिए अनुरोध किया है।

(ज) 1 जनवरी, 2018 से भारत साधारण शर्तों पर ऋणों का पात्र है। साधारण शर्तों पर प्रदत्त आईएफएडी ऋणों की ब्याज दर आईएफएडी के कार्यकारी बोर्ड द्वारा अर्धवार्षिक रूप से निर्धारित परिवर्तनीय संदर्भ दर के एक सौ प्रतिशत (100 प्रतिशत) के समतुल्य प्रतिवर्ष होगी, और इसकी परिपक्वता अवधि 15-18 वर्ष होगी। इसमें 3 वर्ष की छूट अवधि शामिल है, जिसकी शुरूआत विनिर्दिष्ट संवितरण शर्तों को पूरा करने की तिथि से होगी।

(झ) वर्ष 2013 से 2017 तक, आईएफएडी ने भारत को 1.25 प्रतिशत जमा 0.75 प्रतिशत सेवा प्रभार प्रति वर्ष की ब्याज दर पर नरम शर्तों पर ऋण प्रदान किया था, जिसकी परिपक्वता अवधि 25 वर्ष थी। इसमें 5 वर्षों की छूट अवधि शामिल थी। भारत ने मेघा-लैम्प और आंध्र प्रदेश सूखा उपशमन परियोजना (एपीडीएमपी) पर हस्ताक्षर किए हैं। तथापि, वर्ष 2013 तक हस्ताक्षरित परियोजनाओं के संबंध में आईएफएडी ऋणों को चुकाने की अवधि 10 वर्षों की छूट अवधि सहित 40 वर्ष है और इस पर कोई ब्याज प्रभारित नहीं होगा। तथापि, बकाया ऋण राशियों पर 1 प्रतिशत की 3/4 दर (0.75 प्रतिशत) प्रतिवर्ष दर पर सेवा प्रभार लगाया जाता है।

7.02 द्विपक्षीय : ब.अ. 2019-20 में जर्मनी, फ्रांस, जापान, रूसी संघ और यूरोपियन निवेश बैंक (ईआईबी) से होने वाली निवल प्राप्तियां ₹9359.27 करोड़ रहने का अनुमान है।